बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

सोमवार, तिथि १६ सितम्बर, १९६३।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि १६ सितम्बर, १९६३ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मीनारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

सभा नियमावली के नियम "८९" के अनुसार प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा-मेज पर रखा जाना।

श्री दीपनारायण सिंह—महाशय, मैं तृतीय बिहार विधान सभा के चतुर्थ सत्र (फरवरी-अप्रील), १९६३ ई० के शेष २,६७२ प्रश्नों में से १२५ प्रश्नों के लिखित उत्तर सभा की मेज पर रखता हूँ।

Starred Questions and Answers.

तारांकित प्रश्नोत्तर।

विस्फी में कार्यालय का निर्माण।

२४३। श्री एकनारायण चौधरी—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिले के विस्फी प्रखण्ड के लिये सरकार विस्फी ग्राम में जमीन ले चुकी है ;

(२) क्या यह बात सही है कि विस्फी में अभी तक प्रखण्ड कार्यालय नहीं बना है जिसके फलस्वरूप कार्यालय को प्रखण्ड में ही नहीं थाने के बाहर रखा गया है ;

(३) क्या सरकार विस्फी में शीघ्र कार्यालय बनाने का विचार कर रही है और जबतक वहां व्यवस्था नहीं होती है तबतक इस कार्यालय को विस्फी प्रखण्ड के अन्दर रखना चाहती है ?

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल में दवा के लिये केवल दो हजार रुपये वार्षिक अनुदान ही सरकार से मिलता है जो रोगियों की संख्या से भी कम है;

(३) क्या सरकार रोगियों की बढ़ती के अनुपात से अनुदान में वृद्धि करने का विचार करती है; यदि हां, तो कब तक; यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) उत्तर नकारात्मक है ।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) राज्य के संकटकालीन अवस्था में दवा के मद में अनुदान की वृद्धि संभव नहीं है ।

कम्पाउन्डर की बदली ।

३१०४। श्री राम कृष्ण राम—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद के चेनारी राजकीय औषधालय में श्री बलराम चौबे, कम्पाउन्डर १० साल से काम करते आ रहे हैं;

(२) क्या यह बात सही है कि कम्पाउन्डर चौबे चेनारी औषधालय से सटे हुये पेरंद ग्राम के रहने वाले हैं और बराबर घर पर ही रहते हैं तथा उनका अधिकांश समय घर के ही कामों में बीतता है;

(३) क्या यह बात सही है कि स्थानीय व्यक्ति होने की वजह से श्री बलराम चौबे यहां के लोकल पौलिटिक्स में अधिक भाग लेते हैं जिससे औषधालय का काम सुचारु रूप से नहीं चलता है;

(४) क्या यह बात सही है कि राजकीय औषधालय की दवाइयों से वे घर पर प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं;

(५) क्या यह बात सही है कि कम्पाउन्डर श्री बलराम चौबे की बदली तीन-तीन बार हुई, लेकिन सिविल सर्जन, आरा (शाहाबाद) के यहां से पैरवी करा कर बदली रोकवा कर दस साल से वे वहीं हैं; यदि हां, तो सरकार उनकी बदली के बारे में क्या कदम उठाने का विचार करती है; यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) १ फरवरी, १९५६ से श्री बलिराम चौबे चेनारी चिकित्सालय में मिश्रक का काम कर रहे हैं ।

(२) श्री चौबे का घर चेनारी चिकित्सालय से एक मील की दूरी पर है, पर वे चिकित्सालय के ही भवन में रहते हैं और अच्छी तरह से काम करते हैं ।

(३) उत्तर नकारात्मक है ।

(४) उत्तर नकारात्मक है ।

(५) १९६० ई० में दो बार श्री चौबे का स्थानान्तरण किया गया था पर उनकी पत्नी की बीमारी के कारण स्थानान्तरण आदेश स्थगित किया गया था । उनका स्थानान्तरण विचाराधीन है ।